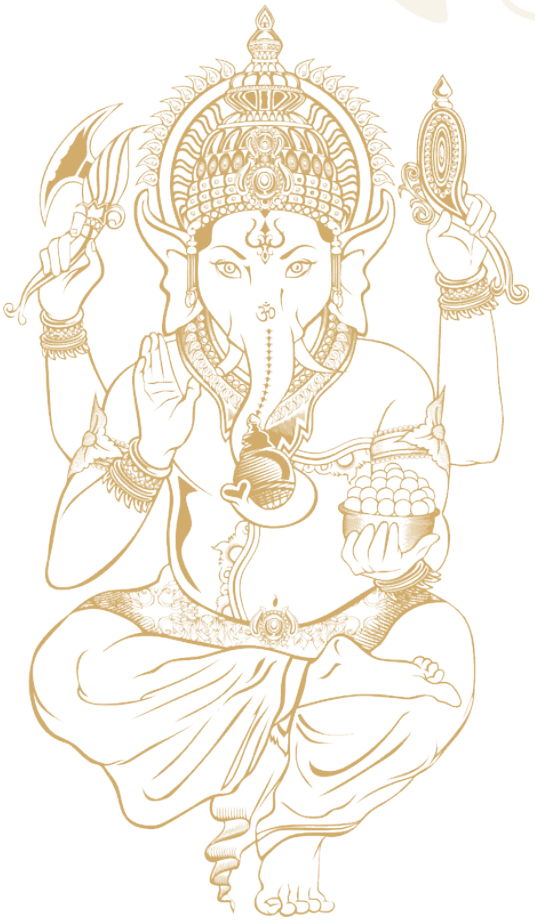

Priyanka Mishra

25 Aug 1996

11:15 AM

Siwan

Model: web-freekundliweb

Order No: 121350203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/08/1996**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:15:00 घंटे**
इष्ट	14:23:36 घटी
स्थान	**Siwan**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	84:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:22:24 घंटे
वेलान्तर	-00:02:03 घंटे
साम्पातिक काल	09:37:29 घंटे
सूर्योदय	05:29:33 घंटे
सूर्यास्त	18:19:13 घंटे
दिनमान	12:49:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:29:35 सिंह
लग्न के अंश	24:14:37 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:14:37	311:48:36	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			सिंह	08:29:35	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	19:10:24	14:43:42	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			मिथु	26:16:31	00:38:38	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
बुध			कन्या	05:27:43	00:46:10	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	14:08:50	00:01:46	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मिथु	22:48:49	00:59:37	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		मीन	12:27:46	00:03:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:44:10	00:04:10	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:44:10	00:04:10	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:38:09	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:37:30	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:34:59	00:00:30	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	28:11:43	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:41

लग्न-चलित

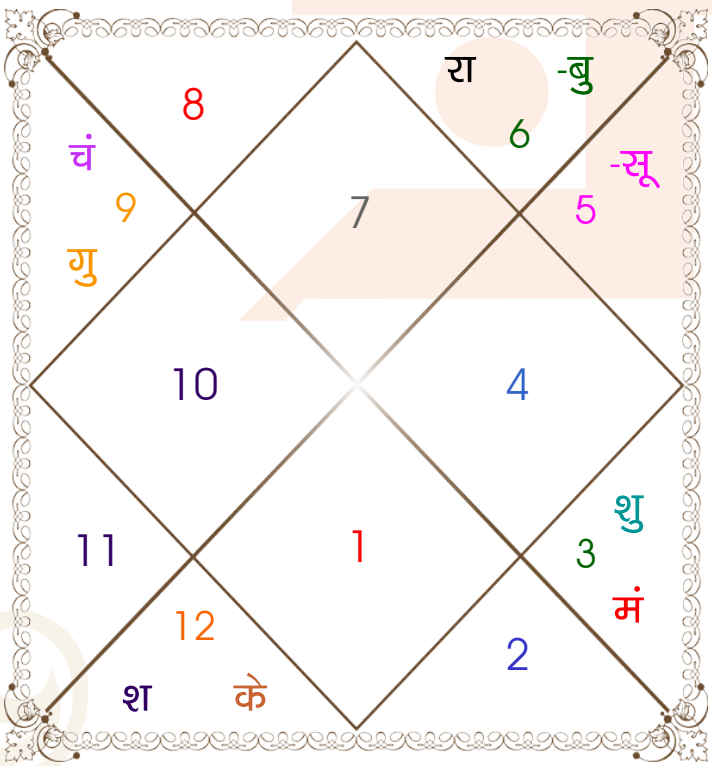

चन्द्र कुंडली

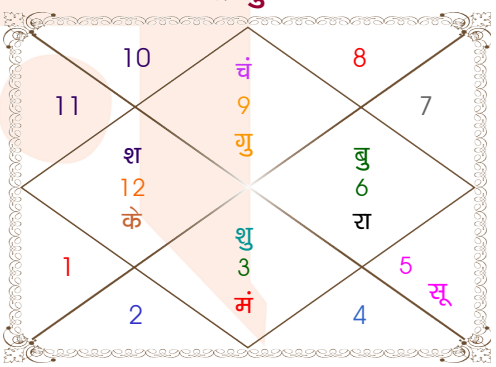

नवमांश कुंडली

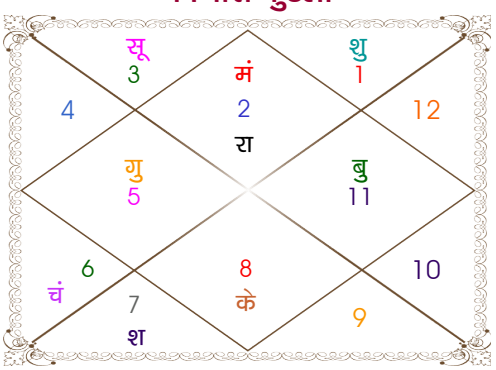

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 2 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/08/1996		21/11/2007		21/11/2013		21/11/2023		21/11/2030	
21/11/2007		21/11/2013		21/11/2023		21/11/2030		21/11/2048	
	00/00/0000	सूर्य	10/03/2008	चंद्र	21/09/2014	मंगल	18/04/2024	राहु	03/08/2033
	00/00/0000	चंद्र	09/09/2008	मंगल	22/04/2015	राहु	07/05/2025	गुरु	28/12/2035
	00/00/0000	मंगल	14/01/2009	राहु	21/10/2016	गुरु	13/04/2026	शनि	03/11/2038
	25/08/1996	राहु	09/12/2009	गुरु	20/02/2018	शनि	23/05/2027	बुध	22/05/2041
राहु	21/01/1998	गुरु	27/09/2010	शनि	21/09/2019	बुध	19/05/2028	केतु	10/06/2042
गुरु	21/09/2000	शनि	09/09/2011	बुध	20/02/2021	केतु	15/10/2028	शुक्र	09/06/2045
शनि	21/11/2003	बुध	16/07/2012	केतु	21/09/2021	शुक्र	15/12/2029	सूर्य	04/05/2046
बुध	21/09/2006	केतु	21/11/2012	शुक्र	23/05/2023	सूर्य	22/04/2030	चंद्र	03/11/2047
केतु	21/11/2007	शुक्र	21/11/2013	सूर्य	21/11/2023	चंद्र	21/11/2030	मंगल	21/11/2048

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/11/2048		21/11/2064		21/11/2083		22/11/2100		22/11/2107	
21/11/2064		21/11/2083		22/11/2100		22/11/2107		00/00/0000	
गुरु	09/01/2051	शनि	24/11/2067	बुध	19/04/2086	केतु	20/04/2101	शुक्र	24/03/2111
शनि	22/07/2053	बुध	04/08/2070	केतु	16/04/2087	शुक्र	20/06/2102	सूर्य	23/03/2112
बुध	28/10/2055	केतु	12/09/2071	शुक्र	14/02/2090	सूर्य	26/10/2102	चंद्र	22/11/2113
केतु	03/10/2056	शुक्र	12/11/2074	सूर्य	22/12/2090	चंद्र	27/05/2103	मंगल	22/01/2115
शुक्र	04/06/2059	सूर्य	25/10/2075	चंद्र	22/05/2092	मंगल	23/10/2103	राहु	26/08/2116
सूर्य	22/03/2060	चंद्र	25/05/2077	मंगल	19/05/2093	राहु	09/11/2104		00/00/0000
चंद्र	22/07/2061	मंगल	04/07/2078	राहु	07/12/2095	गुरु	16/10/2105		00/00/0000
मंगल	28/06/2062	राहु	10/05/2081	गुरु	13/03/2098	शनि	25/11/2106		00/00/0000
राहु	21/11/2064	गुरु	21/11/2083	शनि	22/11/2100	बुध	22/11/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।